Entrepreneurship Development Institute of India
Ahmedabad

Publication: Amar Ujala
Date: 26 June 2025
Edition: Online
Link: 30 Lakh People Have Been Added Under The Prime Minister Vishwakarma Yojana: Jitan Ram Manjhi - Amar Ujala Hindi News Live - Msme:**प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना के तहत 30 लाख लोगों को जोड़ा गया, मुंबई में बोले जीतन राम मांझी**

उद्यमशीलता के क्षेत्र में स्नातक होने की आवश्यकता

भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान निदेशक सत्य आचार्य ने बताया कि देश में उद्यमिता यानी एंटरप्रन्योर को बढ़ावा देने के लिए स्किल डेवलपमेंट प्रोग्राम को बढ़ाने की जरूरत है। वर्तमान में संस्थान में कई तरह के प्रोग्राम हैं, जिसके साथ जुड़कर युवा उद्यमशीलता के क्षेत्र में करियर बना रहे हैं। उन्होंने बताया कि देश में अगर एमएसएम क्षेत्र का विस्तार करना है, तो स्किल डेवलपमेंट की ओर ध्यान देने की जरूरत है। वर्तमान में एमएसएमई क्षेत्र की सबसे बड़ी चुनौती पारिवारिक व्यापार को उनकी अगली पीढ़ी चलाना नहीं चाहती और नए उद्यमों के लिए लोगों के पास अनुभव के साथ ही स्किल नहीं है। यदि एमएसएमई सेक्टर को विस्तार करना है तो उद्यमशीलता के क्षेत्र में स्नातक होने की आवश्यकता है।

Entrepreneurship Development Institute of India Ahmedabad

Publication: Peoples Samachar
Date: 02 July 2025
Edition: Bhopal, Indore, Ratlam, Jabalpur, Gwalior, Raipur
Page: 01

उद्यमिता कोई कोर्स नहीं, सोच है जिसे बचपन से गढ़ना चाहिए

प्रीति जैन ● भोपाल
मो.नं. 9827080406

पीपुल्स समाचार

इंटरव्यू

डॉ. सत्या रंजन आचार्य, निदेशक ईडीआईआई गुजरात

हमारा मिशन रातों-रात उद्यमी बनाना नहीं है, बल्कि हम प्रॉब्लम सॉल्विंग स्किल्स, रिस्क टेकिंग बिहेवियर और बाजार की समझ पैदा करने पर ध्यान देते हैं। यह कहना था, गुजरात में **अहमदाबाद के आंत्रप्रेन्योरशिप डेवलपमेंट इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया (ईडीआईआई) के निदेशक डॉ. सत्या रंजन आचार्य** का। 42 साल पुराने इस संस्थान को भारत सरकार के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के रूप में मान्यता प्राप्त है। वे भोपाल में स्थित ईडीआईआई की गतिविधियों में सक्रियता लाने के लिए कार्य कर रहे हैं, ताकि आर्टिजंस लेवल, एमएसएमई और स्टार्ट-अप तीनों लेयर में उद्यमियों की मदद कर सकें। प्रस्तुत हैं उनसे बातचीत के कुछ अंश...

सवाल: आंत्रप्रेन्योरशिप को बढ़ावा देने के लिए जरूरी बातें क्या है

जवाब: इसके लिए जरूरी है कि आंत्रप्रेन्योरशिप की भावना का विकास कॉलेज में पहुंचने के बाद नहीं, बल्कि स्कूल टाइम से ही बच्चों के भीतर अंकुरित हो ताकि वे उस दिशा में योजनाएं बनाते रहें। हमारे यहां स्कूल एजुकेशन में इस बात की कमी है, लेकिन मुझे लगता है नई शिक्षा नीति से स्कूल स्तर से ही छात्रों में उद्यमिता की तरफ रुझान बनना शुरू होगा।

सवाल: आपके यहां से पढ़े कितने युवा व्यवसाय शुरू कर सके

जवाब: हमारे यहां पीजीडीएम-आंत्रप्रेन्योरशिप कोर्स संचालित होता है जिसके माध्मय से अब तक 80 फीसदी युवा खुद का व्यवसाय कर रहे हैं।

सवाल: स्टार्ट-अप के लिए नेटवर्किंग कम्युनिटीज से जुड़ने के क्या फायदे हैं

जवाब: छात्रों को देश या बाजार के सामने आने वाली चुनौतियों का सामना करने के लिए प्रोत्साहित करना, जिसे अक्सर बॉक्स के बाहर सोचना कहा जाता है, सर्वोपरि है। जो युवा स्टार्ट-अप पर काम कर रहे हैं, उन्हें स्टार्ट-अप कम्युनिटीज से जुड़ना चाहिए ताकि वे नेटवर्क बना सकें और अपने आइडिया और प्रोडक्ट्स का प्रचार कर सकें।

Entrepreneurship Development Institute of India Ahmedabad

Publication: Hari Bhoomi
Date: 02 July 2025
Edition: Bhopal
Page: 08

उद्यमिता कोई कोर्स नहीं, सोच है जिसे बचपन से गढ़ना चाहिए

प्रीति जैन ● भोपाल
मो.नं. 9827080406

पीपुल्स समाचार
इंटरव्यू

डॉ. सत्या रंजन आचार्य, निदेशक ईडीआईआई गुजरात

हमारा मिशन रातों-रात उद्यमी बनाना नहीं है, बल्कि हम प्रॉब्लम सॉल्विंग स्किल्स, रिस्क टेकिंग बिहेवियर और बाजार की समझ पैदा करने पर ध्यान देते हैं। यह कहना था, गुजरात में अहमदाबाद के आंत्रप्रेन्योरशिप डेवलपमेंट इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया (ईडीआईआई) के निदेशक डॉ. सत्या रंजन आचार्य का। 42 साल पुराने इस संस्थान को भारत सरकार के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के रूप में मान्यता प्राप्त है। वे भोपाल में स्थित ईडीआईआई की गतिविधियों में सक्रियता लाने के लिए कार्य कर रहे हैं, ताकि आर्टिजंस लेवल, एमएसएमई और स्टार्ट-अप तीनों लेयर में उद्यमियों की मदद कर सकें। प्रस्तुत हैं उनसे बातचीत के कुछ अंश...

सवाल: आंत्रप्रेन्योरशिप को बढ़ावा देने के लिए जरूरी बातें क्या है

जवाब: इसके लिए जरूरी है कि आंत्रप्रेन्योरशिप की भावना का विकास कॉलेज में पहुंचने के बाद नहीं, बल्कि स्कूल टाइम से ही बच्चों के भीतर अंकुरित हो ताकि वे उस दिशा में योजनाएं बनाते रहें। हमारे यहां स्कूल एजुकेशन में इस बात की कमी है, लेकिन मुझे लगता है नई शिक्षा नीति से स्कूल स्तर से ही छात्रों में उद्यमिता की तरफ रुझान बनना शुरू होगा।

सवाल: आपके यहां से पढ़े कितने युवा व्यवसाय शुरू कर सके

जवाब: हमारे यहां पीजीडीएम-आंत्रप्रेन्योरशिप कोर्स संचालित होता है जिसके माध्यम से अब तक 80 फीसदी युवा खुद का व्यवसाय कर रहे हैं।

सवाल: स्टार्ट-अप के लिए नेटवर्किंग कम्युनिटीज से जुड़ने के क्या फायदे हैं

जवाब: छात्रों को देश या बाजार के सामने आने वाली चुनौतियों का सामना करने के लिए प्रोत्साहित करना, जिसे अक्सर बॉक्स के बाहर सोचना कहा जाता है, सर्वोपरि है। जो युवा स्टार्ट-अप पर काम कर रहे हैं, उन्हें स्टार्ट-अप कम्युनिटीज से जुड़ना चाहिए ताकि वे नेटवर्क बना सकें और अपने आइडिया और प्रोडक्ट्स का प्रचार कर सकें।

Entrepreneurship Development Institute of India Ahmedabad

Publication: Nav Dunia
Date: 02 July 2025
Edition: Bhopal
Page: 01

अपने आइडिया को छिपाएं नहीं, इसे समूह में साझा करें, मिलेगी फंडिंग

- ईडीआइआइ के निदेशक डा. सत्य रंजन आचार्य ने उद्यमिता को लेकर की बातचीत

नवदुनिया प्रतिनिधि, भोपाल: उद्यमिता कोई सीखा जाने वाला हुनर नहीं है, बल्कि माहौल के हिसाब अपने आप विकसित हो जाने वाला अनुशासन है। स्कूल से ही विद्यार्थियों में रचनात्मक सोच विकसित करनी चाहिए। समस्या का समाधान खोजने वाला स्वभाव उद्यमिता के लिए बहुत जरूरी है। रिसर्च और तकनीक पर काम करने की जरूरत है।

यह कहना है उद्यमिता शिक्षा विभाग, भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान के निदेशक डा. सत्य रंजन आचार्य का। मंगलवार को उन्होंने उद्यमिता, एमएसएमई, स्टार्टअप, स्किल डेवलपमेंट को लेकर मीडिया संवाद में यह बात कही। डा. सत्य रंजन आचार्य ने कहा कि मप्र स्टार्टअप के क्षेत्र में प्रगति कर रहा है,

डा. सत्य रंजन आचार्य।

लेकिन आइडिया को बिजनेस में बदले की हुनर अभी यहां के युवाओं में नहीं है। इसके लिए सपोर्ट की जरूरत होती है, वहीं एमएसएमई का आधार मेनुफैक्चरिंग है। बिजनेस के लिए नेटवर्किंग जरूरी है। अपने आइडिया को छिपाएं नहीं, बल्कि समूह में साझा करें। आइडिया टिकाऊ होगा तो धन की दिक्कत नहीं होगी पर यदि आइडिया बिकाऊ नहीं है तो कोई भी पैसा लगाने को तैयार नहीं होगा। उल्लेखनीय है कि ईडीआइआइ एक राष्ट्रीय संसाधन संस्थान है जो उद्यमिता शिक्षा, अनुसंधान, प्रशिक्षण, क्षमता निर्माण, संस्थान निर्माण, एमएसएमई विकास और स्टार्टअप इंक्यूबेशन के क्षेत्रों में कार्यरत है। अहमदाबाद स्थित यह एक स्वायत्त और गैर-लाभकारी संस्थान है, जिसकी शाखा भोपाल में भी है। ईडीआइआइ स्किल डेवलपमेंट के पाठ्यक्रमों का संचालन करता है और कई राज्यों में परियोजनाएं संचालित कर रहा है।

Entrepreneurship Development Institute of India Ahmedabad

Publication: Dainik Jagran
Date: 02 July 2025
Edition: Bhopal
Page: 08

अग्रणी भूमिका निभा रहा है ईडीआईआई

भोपाल। 1983 में स्थापित भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान (ईडीआईआई) आज देश में उद्यमिता के क्षेत्र में अग्रणी और प्रेरणादायी संस्थान है। अहमदाबाद स्थित यह स्वायत्त और गैर-लाभकारी संस्थान उद्यमिता शिक्षा, शोध, प्रशिक्षण, क्षमता निर्माण, एमएसएमई विकास और स्टार्टअप इनक्यूबेशन के क्षेत्र में राष्ट्रीय स्तर पर महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। संस्थान को देश के अग्रणी वित्तीय संस्थानों-आईडीबीआई बैंक, आईसीआईसीआई, आईएफसीआई, भारतीय स्टेट बैंक और गुजरात सरकार का समर्थन प्राप्त है। साथ ही ईडीआईआई को भारत सरकार के कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय द्वारा उत्कृष्टता केंद्र के रूप में मान्यता प्राप्त है।

Entrepreneurship Development Institute of India
Ahmedabad

Publication: Patrika
Date: 02 July 2025
Edition: Bhopal
Page: 05

भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान में उद्यमिता शिक्षा विभाग के निदेशक डॉ. सत्या रंजन आचार्य से चर्चा

स्कूली स्तर से एंटरप्रेन्योरशिप सोच करनी होगी विकसित

पत्रिका plus रिपोर्टर
patrika.com

भोपाल. एंटरप्रेन्योरशिप का अर्थ केवल बिजनेस खड़ा करना नहीं है, बल्कि यह एक सोच है, जो समस्याओं के निवारण के लिए व्यक्ति को नए आइडिया सुझाती अगर हम देश में उद्यमिता को बढ़ाना चाहते हैं, तो स्कूली स्तर से ही एंटरप्रेन्योरशिप सोच बच्चों में विकसित करनी होगी। यह कहना हैं भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान में उद्यमिता शिक्षा विभाग के निदेशक डॉ. सत्या रंजन आचार्य का। डॉ आचार्य को 2023 में शिक्षा के क्षेत्र में राष्ट्रपति पुरस्कार मिल चुका है। उन्होंने पत्रिका से चर्चा की...

सपोर्ट नेटवर्क से आइडिया बनेगा बिजनेस आइडिया

डॉ सत्या ने बताया कि एक आइडिया को बिजनेस आइडिया में तब्दील करने के लिए सपोर्ट नेटवर्क की जरूरत होती है। एक ऐसा माहौल चाहिए, जहां वह आइडिया पनप सके। हमें मैन्युफैक्चरिंग पर ध्यान देने की जरूरत है। मैन्युफैक्चरिंग में नई तकनीकें इजाद की जाएं। केवल आईटी, सर्विस सेक्टर बिजनेस से उद्यम नहीं बढ़ेंगे, मैन्युफैक्चर हमारी ग्रोथ का आधार है, उस पर काम होना चाहिए।

एकेडमिक और इंडस्ट्री को आना होगा साथ

डॉ सत्या ने कहा कि एकेडमिक और इंडस्ट्री जब तक साथ नहीं आएंगे, तब तक उद्यमिता का उच्च विकास मुश्किल है। हमारे यहां कई रिसर्च होती हैं, कई तकनीक हैं, लेकिन युवाओं तक, विद्यार्थियों तक उन तकनीकों की जानकारी ही नहीं है। वह कहते हैं कि एक रिसर्च से लेकर तकनीक बनने और उस तकनीक को जमीनी स्तर तक आने में काफी वक्त लगता है। हमें जरूरत है किस इस समय को कम किया जाए। इंडस्ट्री तक वह रिसर्च पहुंचें, वह जानकारी पहुंचे, ताकि वह नए आइडिया, नए इनोवेशन पर काम कर सकें। यह जरूरी है। उन्होंने बताया कि ईडीआईआई के कोर्सेस में जो स्टूडेंट आते हैं, उनमें से 80 फीसदी बिजनेस करते हैं।

आइडिया शेयर करने में न हिचकें

डॉ सत्या ने बताया कि अक्सर यह कहा जाता है कि आप अपना आइडिया किसी से शेयर न करें, नहीं तो वह उस पर काम कर लेगा, लेकिन एक बिजनेस को सेट करने के लिए नेटवर्क जरूरी है। बिजनेस कम्युनिटी, स्टार्टअप कम्युनिटी से जुड़ें और अपना आइडिया 100 लोगों से शेयर करें। हो सकता है कि कोई एक आपको उसमें कुछ ऐसा बता दे, जो आपके लिए बेहद जरूरी हो।

नए आइडिया की जगह समस्या सुलझाने पर हो ध्यान: एक नए आइडिया का मार्केट बनाना मुश्किल है, लेकिन पहले से जिन बिजनेस में समस्याएं हैं, उन समस्याओं को दूर करने के लिए अगर आइडिया सोचा जाए, तो यह आइडिया अच्छे बिजनेस की ओर ले जा सकता है।

Entrepreneurship Development Institute of India Ahmedabad

Publication: Dainik Bhaskar
Date: 02 July 2025
Edition: Bhopal
Page: 09

स्कूलों में स्किल डेवलपमेंट और कैपेसिटी बिल्डिंग पर फोकस करेगा ईडीआईआई

भोपाल| स्टार्टअप के लिए फंड जुटाने से ज्यादा जरूरी है मनी मैनेजमेंट। कई स्टार्टअप पैसे की कमी और गलत प्रबंधन से बंद हो जाते हैं। इसलिए स्कूली स्तर से ही स्किल डेवलपमेंट और कैपेसिटी बिल्डिंग जरूरी है। आंत्रप्रोन्योरशिप डेवलपमेंट इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया (ईडीआईआई) अब इस दिशा में काम करेगा। संस्था के उद्यमिता शिक्षा विभाग के निदेशक डॉ. सत्यारंजन आचार्य ने बताया कि मप्र में भी छात्रों को स्टार्टअप, स्मॉल एंड मीडियम इंडस्ट्रीज और आजीविका आधारित व्यवसायों की जानकारी दी जाएगी।

Entrepreneurship Development Institute of India Ahmedabad

Publication: Free Press Journal
Date: 02 July 2025
Edition: Online
Link: https://www.freepressjournal.in/bhopal/madhya-pradesh-holds-immense-potential-to-become-a-thriving-hub-for-grassroots-innovation-says-edii-director

Bhopal (Madhya Pradesh): Madhya Pradesh, a state rich in talent and resources, holds immense potential to become a thriving hub for grassroots innovation, says Director (Department of Entrepreneurship Education) at Entrepreneurship Development Institute of India, Satya Ranjan Acharya.

He said that ranked 13th in NITI Aayog's India Innovation Index 2020, the state continues to make encouraging progress. "While MP continues to strengthen its position under DPIIT's State Startup Rankings, the Entrepreneurship Development Institute of India (EDII) has stepped in to empower students, educators, rural youth, and marginalised communities through entrepreneurship."

EDII serves as the National Resource Organisation and implementation partner for this flagship programme. In Madhya Pradesh, SVEP is operational in nine blocks — currently ongoing in Bijadandi (Mandla) and Lalbarra (Balaghat), and successfully completed in Karahal, Majhauli, Rajpur, Samnapur, Sohagpur, Sondwa, and Thandla.

Acharya, who was in the city on Tuesday, told media persons that EDII is a 42-year-old institute which is recognised as a Center of Excellence by the Government of India. "Our mission is not to create entrepreneurs overnight, but we focus on developing problem-solving skills, risk-taking behaviour, and market understanding," he said.

About the important things to promote entrepreneurship, he said that it is necessary that the spirit of entrepreneurship should develop within children from school time. "There is a lack of this in our school education, but I think with the new education policy, the trend towards entrepreneurship will start developing in students from the school level itself," he said.

About the benefits of joining networking communities for start-ups, Acharya said, "Encouraging students to face the challenges faced by the country or the market," adding that, "Youths who are working on start-ups should join start-up communities so that they can build a network and promote their ideas and products."